रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HXB)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

कहने को चाहे भारत में स्वशासन हो और भारतीयकरण का नारा हो, किंतु वास्तविकता में सब ओर आस्थाहीनता बढ़ती जा रही है। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों या चर्च में बढ़ती भीड़ और प्रचार माध्यमों द्वारा मेलों और पर्वों के व्यापक कवरेज से आस्था के संदर्भ में कोई भ्रम मत पालिए, क्योंकि यह सब उसी प्रकार भ्रामक है जैसे 'लगे रहो मुन्ना भाई' की गाँधीगिरी।

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि गाँधीगिरी की काल्पनिक अवधारणा से महत्व पाने के लिए कुछ लोगों की नौटंकी की वाहवाही प्रचार माध्यमों ने जमकर की, लेकिन अब गाँधी जयन्ती बीतने के बाद न तो कोई गुलाब का फूल भेंट करता दिखाई देता है और न ही कोई छूट वाले काउन्टरों से गाँधी टोपी ही खरीदता नजर आता है। गाँधी को 'गिरी' के रूप में आँकने के सिनेमाई कथानक का कोई स्थाई प्रभाव हो ही नहीं सकता। फिल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गाँधी को वाह्य आवरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्टूबर और तीस जनवरी को कुछ आडम्बर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन–मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगन्ध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं, उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आसपास के जीवन में प्रतीत नहीं होता। जिसे हमने स्वतंत्रता के लिए संग्राम की संज्ञा दी थी, उस सम्पूर्ण प्रयास को गाँधी जी ने स्वराज्य के लिए अभियान की संज्ञा प्रदान की थी। "स्वतंत्रता के लिए संघर्ष" और "स्वराज्य के लिए अभियान" का अंतर अतीत का संज्ञान रखने वाले ही समझ सकते हैं। विदेशियों के सत्ता में रहने के बावजूद हम स्वतंत्र थे, क्योंकि हमारी आस्था 'स्व' निरन्तर प्रगाढ़ होती जा रही थी। 'स्व' में आस्था की प्रगाढ़ता के लिए निरन्तर प्रयास होते रहे। इसलिए गाँधी जी का अभियान स्वराज्य का था स्वतंत्रता का नहीं। उनके स्वराज्य की भी एक निश्चित अवधारणा थी। सर्वसाधारण को वह अवधारणा समझ में आ सके, इसलिए उन्होंने कहा था कि हमारा स्वराज्य रामराज्य होगा।

जिस सारे जीवन और उच्च विचार को आधार बनाकर वे भारत को आध्यात्मिक गुरु के रूप में विश्व के समक्ष खड़ा करना चाहते थे, उस भारत की स्वशासन व्यवस्था ने भौतिक भूख की आग को इतना अधिक प्रज्ज्वलित कर दिया है कि अब हमने येन–केन–प्रकारेण सफलता हासिल करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने स्थापित मूल्यों को तिलांजलि दे दी है।

(क) 2 अक्टूबर और 30 जनवरी किसलिए विशेष हैं ? (ख) स्वराज्य और स्वतंत्रता में क्या अन्तर है ?

(ग) गाँधी जी कैसा स्वराज्य चाहते थे ? (घ) स्वशासन व्यवस्था ने कौन सी विसंगति दी है ?

(ङ) उक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) 'योगासन और स्वास्थ्य' :

(i) अर्थ (ii) योगासन से स्वास्थ्य लाभ– शारीरिक और मानसिक

(iii) योगासन और खेल (iv) योगासन से अनुशासन और व्यक्तित्व का विकास

(ख) 'सूचना प्रौद्योगिकी' :

(i) विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ii) कम्प्यूटर – एक वरदान

(iii) सामाजिक आवश्यकता (iv) जन–जीवन पर इसका प्रभाव

3. भरतपुर गाँव में इस वर्ष पेयजल की गम्भीर समस्या बनी है। ग्राम प्रधान की ओर से मुख्यमंत्री को समस्या के निराकरण हेतु एक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। (ग्राम प्रधान का काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

आपके विद्यालय में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। आप रा. उ. मा. वि. भरतपुर के छात्र हैं। समारोह के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – $1\times4=4$

(क) सविता निबन्ध लिख रही है। (क्रियापद छाँटकर भेद लिखिए)

(ख) बालिका लिख रही है। (रेखांकित क्रिया को सकर्मक क्रिया में बदलिए)

(ग) वह मेरी बात चुपचाप सुन रहा था। (क्रिया विशेषण छाँटकर उसका भेद लिखिए)

(घ) आपने खाना खाया या नहीं ? (इस वाक्य में समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में आश्रित उपवाक्य अलग करके बताइये कि वह किस प्रकार का वाक्य है – $1\times2=2$

(क) महेश ने देखा कि रमेश दौड़ता हुआ कमरे में छिप गया।

(ख) जो लोग बुजुर्गों के साथ मीठा बोलते हैं, उन्हें सब प्यार करते हैं।

वाच्य परिवर्तन कीजिये – $1\times2=2$

(ग) आप नहीं जागते हैं। (भाववाच्य में)

(घ) मैं खाना नहीं खाऊँगा। (कर्मवाच्य में)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में 'कमल' का पर्यायवाची शब्द बताइये – 1

(i) पयोद (ii) वारिद (iii) वारिज (iv) वारिवाह

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'गुरु' का अर्थ नहीं है – 1

(i) भारी (ii) शिखर (iii) शिक्षक (iv) बृहस्पति

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $3\times2=6$

(i) उधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ।।

(क) 'नाहिन मन अनुरागी' कहकर किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(ख) उद्धव और गोपियों में वैचारिक अन्तर क्या है ?

(ग) 'प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोरयौ' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

(क) कवि किसकी माँ को धन्य कह रहा है और क्यों ?

(ख) मधुपर्क का लाक्षणिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) कनखी मारना; आँखें चार होने, का अर्थ बताइये।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $3\times2=6$

(क) 'आत्मकथ्य' कविता में स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?

(ख) संगतकार किन–किन रूपों में मुख्य गायक–गायिकाओं की मदद करते हैं ?

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी ?

9. (क) 'छाया मत छूना' कविता का संदेश क्या है ? 2

(ख) 'अट नहीं रही है' शीर्षक के आधार पर बताइए कि फागुन में ऐसा क्या होता है जो अन्य ऋतुओं से भिन्न होता है ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी–धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पाण्डित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े–बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे ! गजब ! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने का ही कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री–शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट!' इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई–धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य–विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(क) लेखक के विचार से कौन–कौन सी योग्यताएँ संस्कृति हैं ?

(ख) लेखक ने इस अवतरण में सभ्यता की क्या परिभाषा दी है ? संस्कृति व सभ्यता में क्या सम्बन्ध है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(क) 'मोह और प्रेम में अन्तर होता है।' भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर यह कथन सिद्ध होता है ?

(ख) 'नेताजी का चश्मा' कहानी से प्राप्त संदेश को स्पष्ट कीजिए।

(ग) फादर बुल्के ने संन्यासी की परम्परागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रस्तुत की है, कैसे ?

12. (क) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका मन्नू भण्डारी के जीवन की वह कौन सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास आया न कानों पर ? 3

(ख) न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे दिये गये तर्क की विवेचना कीजिये। 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times3=6$

(क) 'माता का अँचल' पाठ में तीन दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस प्रकार के परिवर्तन दिखाई देते हैं ?

(ख) जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किये ?

(ग) साना साना हाथ जोड़ि ..... कहानी के आधार पर बताइए कि प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है ?

(घ) हिरोशिमा की घटना पर लेखक की मनःस्थिति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिये।

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6
(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

चन्द्रगुप्तः मगधदेशस्य नृपः आसीत्। तस्य मन्त्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतन्त्रस्य ज्ञाता आसीत्। स एकस्मिन् उटजे निवसति स्म। सः वैराग्य–भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि दत्तवान्। तानि कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान्। चाणक्यस्य उटजं नगराद् बहिः आसीत्। केचन चोराः कम्बलानि अपहर्तुं चिन्तितवन्तः। ते एकदा चाणक्यस्य उटजं प्रविष्टवन्तः। तस्मिन समये मध्यरात्रिः शैत्यकालः च आसीत्। तदा अपि चाणक्यः कटे सुप्तः आसीत्। तस्य पार्श्वे बहूनि कम्बलानि आसन्। चौराः आश्चर्यं प्रकटितवन्तः यत् सः जनः कम्बलं विना शयनं करोति।

(क) चाणक्यः कः आसीत् ? (ख) नृपः एकवारं चाणक्यं किं सूचितवान् ?
(ग) चाणक्यस्य उटजं कुत्रासीत् ? (घ) चौराः कदा उटजं प्रविष्टवन्तः ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2 = 4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

न वै ताडनाद् तापनाद् वह्निमध्ये न वै विक्रयाद् क्लिश्यमानोऽहमस्मि।
सुवर्णस्य मे मुख्यदुःखं तदेकं यतो मां जनाः गुञ्जया तोलयन्ति ।।

(क) सुवर्णः कस्मात् न क्लिश्यमानः अस्ति ? (ख) सुवर्णस्य मुख्यं दुःखं किम् ?
(ग) जनाः सुवर्णं कया तोलयन्ति ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

(क) मुनयः किं प्राप्तुं हिमालयं गच्छन्ति ? (ख) नीर क्षीर विवेकी कः भवति ?
(ग) कनखलनगरी कस्य राजधानी आसीत् ? (घ) हिमपर्वतस्य पुत्री का ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4 = 4
(निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये)

शब्द सूची : निर्मलं, सुकृतिनः, वृक्षाः, पापकर्म, दुःखं, दूरीकरोति

(क) अद्य आरभ्य वयं ..... न करिष्यामः। (ख) मानवं पुत्रवत ..... तारयन्ति।
(ग) अङ्गीकृतं ..... परिपालयन्ति। (घ) सत्सङ्गति औषधवत् दुर्गुणान् .....।
(ङ) सुवर्णस्य मे मुख्यं ..... तदेकम्। (च) येषां हृदयं ..... भवति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – 2×3 = 6
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – हरे + अव , इति + आदि
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – नायकः , धन्योऽयं
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) –
पीताम्बरः , रामसेवकः
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्य उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) –
प्रताप , उत्कंठा
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –
(कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)
(i) गंगा ..... निस्सरति। (हिमालयेन / हिमालयात्)
(ii) पिता ..... सह आगतः। (पुत्रस्य / पुत्रेण)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4 = 4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) मातुलः (ख) मम (ग) उपवनम् (घ) धावन्ति (ङ) अपठत् (च) युष्माकम्

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2 = 4
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) हम सब घर जायेंगे। (ख) मैंने पुस्तक पढ़ी। (ग) तुम भोजन करो।

****

रोल नं. | | | | | | | | |

001

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

201 (HXZ)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड 'अ' और 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 5 = 10$

प्रेम की भाषा शब्द-रहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्द-रहित है। जीवन का तत्व भी शब्द से परे है। सच्चा आचरण-प्रभावशील, अचल-स्थिर आचरण-न तो साहित्य के लम्बे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से; न अंजील से; न कुरान से; न धर्म चर्चा से; न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में धंसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

बर्फ का दुपट्टा बाँधे हुए हिमालय इस समय तो अति सुन्दर, अति ऊँचा और अति गौरवान्वित मालूम होता है, परन्तु प्रकृति ने अगणित शताब्दियों के परिश्रम से रेत का एक-एक परमाणु समुद्र के जल में डुबो-डुबोकर और उनको अपने विचित्र हथौड़े से सुडौल करके इस हिमालय के दर्शन कराए हैं। आचरण भी हिमालय की तरह एक ऊँचे कलश वाला मन्दिर है। यह वह आम का पेड़ नहीं जिसको मदारी एक क्षण में, तुम्हारी आँखों में मिट्टी डालकर, अपनी हथेली पर जमा दे। इसके बनने में अनन्त काल लगा है। पृथ्वी बन गई, सूर्य बन गया, तारागण आकाश में दौड़ने लगे; परन्तु अभी तक आचरण के सुन्दर रूप के पूर्ण दर्शन नहीं हुए। कहीं-कहीं उसकी अत्यल्प छटा अवश्य दिखाई देती है।

पुस्तकों में लिखे हुए नुसखों से तो और भी अधिक बदहजमी हो जाती है। सारे वेद और शास्त्र भी यदि घोलकर पी लिए जाऐं तो भी आदर्श आचरण की प्राप्ति नहीं होती। आचरण प्राप्ति की इच्छा रखने वाले को तर्क-वितर्क से कुछ भी सहायता नहीं मिलती। शब्द और वाणी तो साधारण जीवन के चोचले हैं। ये आचरण की गुप्त गुहा में प्रवेश नहीं कर सकते। वहाँ इनका कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ता। वेद इस देश के रहने वालों के विश्वासानुसार ब्रह्म-वाणी है, परन्तु इतना काल व्यतीत हो जाने पर भी आजतक वे समस्त जगत की भिन्न जातियों को संस्कृत भाषा न बुला सके-न समझा सके-न सिखा सके। यह बात हो कैसे? ईश्वर तो सदा मौन है। ईश्वरीय मौन शब्द और भाषा का विषय नहीं। वह केवल आचरण के कान में गुरु-मंत्र फूँक सकता है। वह केवल ऋषि के दिल में वेद का ज्ञानोदय कर सकता है।

(क) 'प्रेम की भाषा शब्द रहित है' का आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) आचरण की तुलना किससे की गई है ?
(ग) आदर्श आचरण की प्राप्ति किससे नहीं होती ?
(घ) सदाचरण, सुन्दर, ऊँचा, शीतल शब्दों के विलोम लिखिए।
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए — 10

(क) जीवन में खेलों का महत्व —
(i) खेलों के प्रति मानव प्रवृत्ति
(ii) खेलों का पूर्व इतिहास
(iii) राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का महत्व
(iv) राष्ट्रीय खेल नीति

(ख) वर्तमान शिक्षा प्रणाली —
(i) जीवन में शिक्षा का महत्व
(ii) भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली
(iii) वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली-गुण और दोष
(iv) सुधार हेतु सुझाव

3. विगत वर्ष आपके क्षेत्र में जलप्लावन की स्थिति रही। कृषि एवं क्षेत्रीय उद्योगों के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्रीय जनता प्रभावित है। प्रदेश के मुख्यमंत्री को राहत हेतु एक प्रार्थना पत्र तैयार कीजिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

आपके शहर अथवा गाँव में चारों ओर सड़कें टूटी हैं। आवागमन में कठिनाई होती है। जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए क्षेत्रीय समाचार पत्र के संपादक को समाचार प्रकाशित करने हेतु एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए — $1 \times 4 = 4$

(क) लता आज मन्दिर चली गई। (प्रश्नवाचक वाक्य में)

(ख) मोहन विद्यालय से घर आ गया। (निषेधात्मक वाक्य में)

(ग) थोड़े समय के लिए बिजली आई। थोड़ी ही देर में चली गई। (संयुक्त वाक्य में)

(घ) छात्र ने यथा समय लेख लिख लिया था। (कर्मवाच्य में)

5. यथा निर्देश उत्तर दीजिए — $1 \times 2 = 2$

(क) गाड़ी पहुँच चुकी किन्तु वह आया नहीं। (अव्यय शब्द छाँटिए)

(ख) धीरे-धीरे मत चलो अन्यथा रात हो जाएगी। (क्रिया विशेषण बताइए)

निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद छाँटिए और क्रिया का भेद भी बताइए — $1 \times 2 = 2$

(ग) कला गाना गाती है।

(घ) कमरे के अन्दर बच्चा रोता है।

6. (क) निम्नलिखित में 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द बताइए — 1

(i) व्योमेश (ii) राकेश (iii) लोकेश

(ख) कौन-सा शब्द 'घन' का समानार्थी नहीं है — 1

(i) जलद (ii) जलज (iii) नीरद

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $3 \times 2 = 6$

(i) लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम से क्या कहा ?

(ख) धनुष टूटने में राम का दोष क्यों नहीं है ?

(ग) परशुराम के क्रोध का कारण क्या है ?

(ii) फसल क्या है ?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

(क) फसल प्रकृति के किन-किन उपादानों का रूपान्तरण है और किस रूप में ?

(ख) कवि ने 'फसल को नदियों के पानी का जादू' क्यों कहा ?

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर कवि की भावना को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $3 \times 2 = 6$

(क) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर निराला जी के प्रकृति-प्रेम पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?

(ग) 'कन्यादान' कविता की यह पंक्ति-'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का आशय वर्तमान सामाजिक परिवेश में समझाइए।

9. (क) कवि जयशंकर प्रसाद के मित्रों ने उनसे क्या आग्रह किया ? कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे ? 2
(ख) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 2 = 4$

(i) आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है—यह कौन है। यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं।
(क) आसाढ़ की रिमझिम का जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण कीजिए।
(ख) बालगोबिन भगत के मधुर संगीत की विशेषताएँ बताइए।

(ii) शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक बिस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।
(क) "सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया।" — आशय स्पष्ट कीजिए।
(ख) लेखिका के पिता अपनी विवशताओं को अपने परिवार के सामने भी स्पष्ट क्यों नहीं कर पाते थे ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 2 = 4$
(क) मूर्ति को देखकर हालदार साहब किस निष्कर्ष पर पहुँचे ?
(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइए कि बालगोबिन भगत सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे।
(ग) लेखिका मन्नू भंडारी के पिताजी सारी आधुनिकता के बावजूद क्या बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे ?

12. (क) फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा गया है ? 3
(ख) 'संस्कृति' पाठ में व्यक्त विचारों के आधार पर 'सभ्यता' और 'संस्कृति' में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए — $2 \times 3 = 6$
(क) 'माता का अँचल' पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
(ख) 'नाक' मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की द्योतक है। 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।
(ग) 'झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक' से क्या आशय है ? पठित यात्रावर्णन के आधार पर गंतोक के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।
(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' के आधार पर बताइए कि लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं।

खण्ड - 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 3 = 6$
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)
यदा विवेकानन्दः परिव्राजकरूपेण अभवत् तदा सम्पूर्णं देशम् अटितवान्। कदाचित् सः वनं गतवान्। तदा केचन वानराः तम् अनुगताः। यद्यपि सः धीरः तथापि वानरान् दृष्ट्वा एकाकी सः किञ्चित् भीतः अभवत् अतः सः शीघ्रं गतवान्। वानराः अपि तं शीघ्रं अनुधावितवन्तः। तदा सः तत्र हासस्य शब्दं श्रुतवान्। तत्र एकः संन्यासी स्थितवान् आसीत्। सः विवेकानन्दं दृष्ट्वा उक्तवान्—हे युवसन्यासिन् मा धाव, तस्य सम्मुखीकरणम् एव उत्तमम्। एतत् श्रुत्वा विवेकानन्दः तत्रैव स्थितवान्। यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा वानराः अपि स्थितवन्तः। धैर्येण स समीपं गतवान्। तान् प्रति चलितवान् तदा वानराः पलायनं कृतवन्तः।
(क) विवेकानन्दः कदा देशम् अटितवान् ?
(ख) भीतः विवेकानन्दः किं कृतवान् ?
(ग) संन्यासी विवेकानन्दं दृष्ट्वा किम् उक्तवान् ?
(घ) यदा विवेकानन्दः स्थितवान् तदा किम् अभवत् ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 2 = 4$

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेष्यति हसिस्यति पङ्कजालिः।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे
हा हन्त! हन्त! नलिनीं गज उज्जहार॥

(क) सुप्रभातं कदा भविष्यति ? (ख) पङ्कजालिः कदा हसिस्यति ?

(ग) नलिनीं कः उज्जहार ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत — $2 \times 3 = 6$

(पठित पाठ पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

(क) चाणक्यः कुत्र निवसति स्म ? (ख) विश्वस्य अत्युन्नतं शिखरं किम् ?

(ग) शिवालिक पर्वत-शिखराणां मध्ये किं नगरं शोभते ? (घ) विवेकानन्दं के अनुगताः?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत — $1 \times 4 = 4$

(नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों मे रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची— मङ्गलम्, शरीरम्, गुञ्जया, दुर्जनेन, उटजे, पुष्पम्

(क) जनाः सुवर्णं ..... तोलयन्ति। (ख) परोपकारार्थमिदम् .....।

(ग) प्रभाते ..... विकसति। (घ) सत्सङ्गतिः मानवस्य ..... करोति।

(ङ) चाणक्य एकस्मिन् ..... निवसति स्म। (च) ..... समं सख्यं न कारयेत्।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशम् केवलं त्रीन् प्रश्नान् उत्तरत — $2 \times 3 = 6$

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)— यदि + अपि, भो + अनम्

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) — मध्वरिः, हरेऽव

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।) —
धनहीनः, गजाननः

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथक्कृत्वा लिखत (निम्नांकित पदों में उपसर्ग को अलग कर लिखिए।) —
अभिज्ञानम्, उपवनम्

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत —
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) ..... परितः पुष्पाणि सन्ति। (विद्यालयस्य / विद्यालयम्)
(ii) रामः ..... सह गच्छति। (कृष्णस्य / कृष्णेन)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम वाक्यानां निर्माणं कुरुत — $1 \times 4 = 4$

(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)

(क) हिमालयः (ख) कमलम् (ग) गीतम्

(घ) सुवर्णम् (ङ) भारतम् (च) परोपकारः

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत — $2 \times 2 = 4$

(निम्न वाक्यों में से दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

(क) आकाश में तारे हैं। (ख) तालाब में कमल खिलता है। (ग) छात्र पाठ पढ़ता है।

******

रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HXA)

2016

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

कहने को चाहे भारत में स्वशासन हो और भारतीयकरण का नारा हो, किंतु वास्तविकता में सब ओर आस्थाहीनता बढ़ती जा रही है। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों या चर्च में बढ़ती भीड और प्रचार माध्यमों द्वारा मेलों और पर्वों के व्यापक कवरेज से आस्था के संदर्भ में कोई भ्रम मत पालिए, क्योंकि यह सब उसी प्रकार भ्रामक है जैसे 'लगे रहो मुन्ना भाई' की गाँधीगिरी।

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि गाँधीगिरी की काल्पनिक अवधारणा से महत्व पाने के लिए कुछ लोगों की नौटंकी की वाहवाही प्रचार माध्यमों ने जमकर की, लेकिन अब गाँधी जयन्ती बीतने के बाद न तो कोई गुलाब का फूल भेंट करता दिखाई देता है और न ही कोई छूट वाले काउन्टरों से गाँधी टोपी ही खरीदता नजर आता है। गाँधी को 'गिरी' के रूप में आँकने के सिनेनाई कथानक का कोई स्थाई प्रभाव हो ही नहीं सकता। फिल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गाँधी को बाह्य आवरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्टूबर और तीस जनवरी को कुछ आडम्बर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन–मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगन्ध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं, उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आसपास के जीवन में प्रतीत नहीं होता। जिसे हमने स्वतंत्रता के लिए संग्राम की संज्ञा दी थी, उस सम्पूर्ण प्रयास को गाँधी जी ने स्वराज्य के लिए अभियान की संज्ञा प्रदान की थी। "स्वतंत्रता के लिए संघर्ष" और "स्वराज्य के लिए अभियान" का अंतर अतीत का संज्ञान रखने वाले ही समझ सकते हैं। विदेशियों के सत्ता में रहने के बावजूद हम स्वतंत्र थे, क्योंकि हमारी आस्था 'स्व' निरन्तर प्रगाढ़ होती जा रही थी। 'स्व' में आस्था की प्रगाढ़ता के लिए निरन्तर प्रयास होते रहे। इसलिए गाँधी जी का अभियान स्वराज्य का था स्वतंत्रता का नहीं। उनके स्वराज्य की भी एक निश्चित अवधारणा थी। सर्वसाधारण को वह अवधारणा समझ में आ सके, इसलिए उन्होंने कहा था कि हमारा स्वराज्य रामराज्य होगा।

जिस सारे जीवन और उच्च विचार को आधार बनाकर वे भारत को आध्यात्मिक गुरु के रूप में विश्व के समक्ष खड़ा करना चाहते थे, उस भारत की स्वशासन व्यवस्था ने भौतिक भूख की आग को इतना अधिक प्रज्ज्वलित कर दिया है कि अब हमने येन–केन–प्रकारेण सफलता हासिल करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने स्थापित मूल्यों को तिलांजलि दे दी है।

(क) 2 अक्टूबर और 30 जनवरी किसलिए विशेष हैं ? (ख) स्वराज्य और स्वतंत्रता में क्या अन्तर है ?

(ग) गाँधी जी कैसा स्वराज्य चाहते थे ? (घ) स्वशासन व्यवस्था ने कौन सी विसंगति दी है ?

(ङ) उक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) 'जनसंख्या वृद्धि का संकट' :

(i) देश में आबादी की वृद्धि दर (ii) भारत में जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएँ

(iii) जनसंख्या वृद्धि से विकास पर पड़ने वाले प्रभाव (iv) जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

(ख) 'सूचना प्रौद्योगिकी' :

(i) विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ii) सामाजिक आवश्यकता

(iii) कम्प्यूटर– एक वरदान (iv) जन जीवन पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव

3. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को तीन दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए। अवकाश का उचित कारण अवश्य लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – $1\times2=2$

(क) गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी।

(ख) गुरुजी शिष्य को पुस्तक पढ़ाते हैं।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – $1\times2=2$

(ग) रमेश प्रतिदिन योग करता है। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) रमेश ने मेहनत की इसलिए सफल हुआ। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – $1\times4=4$

(क) मेरा भारत महान है। (निषेधात्मक वाक्य बनाइए)

(ख) प्रत्येक व्यक्ति ईमानदार होता है। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(ग) विद्यार्थियों द्वारा पुस्तक पढ़ी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) मैंने यथासमय काम पूरा कर लिया था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में कौन सा शब्द 'समुद्र' का पर्यायवाची नहीं है – 1

(i) जलधि (ii) जलद (iii) नीरधि (iv) अम्बुधि

(ख) निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'कमल' का समानार्थी है – 1

(i) मेघ (ii) नीरद (iii) नीरज (iv) अम्बुद

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $3\times2=6$

(i) हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

(क) श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों ने अपना अनन्य प्रेम किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

(ख) श्रीकृष्ण को 'हारिल की लकरी' मानने का क्या भाव है ?

(ग) योग की बातें गोपियों को कैसी प्रतीत होती हैं ?

(ii) छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण–बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन –
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(क) काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त 'छाया' शब्द का अभिप्राय बताइए।

(ख) 'जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' पंक्ति का आशय बताइए।

(ग) 'मृगतृष्णा' शब्द का प्रयोग कविता में किस अर्थ में किया गया है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $3\times2=6$

(क) जब मन प्रसन्न हो तो हर तरफ फागुन का ही सौन्दर्य व उल्लास दिखाई देता है। 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर उक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

(ख) 'भ्रमरगीत' से आप क्या समझते हैं तथा भ्रमर को किसका प्रतीक माना गया है ?

(ग) 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' – पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

9. (क) 'फसल' कविता के आधार पर बताइये कि फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? 2

(ख) मंगलेश डबराल की कविता 'संगतकार' से आपने क्या भाव ग्रहण किया ? संक्षेप में समझाइए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी–धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पाण्डित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े–बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे ! गजब ! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न ये पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने का ही कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री–शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट!' इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) संस्कृति के नाम से जिस कूड़े–करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण–क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब–जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है।

मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

(क) कौन सी वस्तु रक्षणीय नहीं है और क्यों ?

(ख) 'मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हालदार साहब चश्मे वाले की देशभक्ति के प्रति क्यों नतमस्तक थे ?

(ख) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

(ग) 'एक कहानी यह भी' नामक आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियारखाना कहकर क्यों संबोधित किया है ?

12. (क) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 2

(ख) पठित आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन के परिदृश्य का संक्षिप्त चित्रण करते हुये उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिये। 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times3=6$

(क) जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किये ?

(ख) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'माता का अँचल' पाठ में तीन दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस प्रकार के परिवर्तन दिखायी देते हैं ?

(घ) हिरोशिमा की घटना पर लेखक की मनःस्थिति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2\times3=6$

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य ऐतिहासिकं, सांस्कृतिकं, पौराणिकं, विश्वविख्यातं नगरम् अस्ति। भारतीया संस्कृतिः, राष्ट्रियैक्यभावः, देशस्य गरिमाबोधः च हरिद्वारस्य कणे–कणे व्याप्ताः सन्ति। पतितपावनी, पापविमोचनी, मोक्षदायिनी, भगवती भागीरथी गंगा पर्वतशिखराणां मध्ये विचरन्ती कलकलनिनादं त्यक्त्वा शान्तस्वरेण हरिद्वारतः एव समभूमिं

प्रविशति। गंगाम् उभयतः मन्दिराणि, घट्टाः, आश्रमाः च सन्ति। तान् निकषा जनाः पूजां कुर्वन्ति। हरिद्वारम्, हरद्वारम्, स्वर्गद्वारम्, तपोवनम्, मायाक्षेत्रम्, मायापुरी, कपिलाश्रमः, कपिला च अस्यैव पुण्यक्षेत्रस्य हरिद्वारस्य अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति।

(क) हरिद्वारम् नगरं कुत्र शोभते ? (ख) हरिद्वारस्य कणे–कणे के व्याप्ताः सन्ति ?

(ग) गंगा सनभूमौ कुतः प्रवहति ? (घ) हरिद्वारस्य कानि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2\times2=4$

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप मा कृथाः।
अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि ।।

(क) नितरां नीचः कः ? (ख) कूप किमर्थं दुःखम् अनुभवति ?

(ग) अत्यन्तसरसहृदयो यतः केषां गुणग्रहीतासि ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2\times3=6$

(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

(क) गंगा कुतः प्रवहति ? (ख) सज्जनाः कीदृशाः भवन्ति ?

(ग) नीरक्षीर विवेकी कः अस्ति ? (घ) राजा रघुः कस्य पुत्रः आसीत् ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – $1\times4=4$

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूची– आसीत्, पश्यति, मुनयः, सताम्, वृक्षाः, मन्दिराणाम्

(क) बालकः दूरदर्शनम् .....। (ख) जनकः जनकपुरस्य राजा .....।

(ग) मानवं पुत्रवत् ..... तारयन्ति। (घ) गङ्गातीरे ..... निवसन्ति।

(ङ) परोपकाराय ..... विभूतयः। (च) हरिद्वारं ..... नगरम् अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – $2\times3=6$

(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – विष्णो + अव , प्र + एजते

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – इत्यादि , नायकः

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) – पंचवटी , महापुरुषः

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) – अभिमान , उपहार

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(i) गंगा ..... निस्सरति। (हिमालयेन/हिमालयात्)

(ii) रामः ..... बालिनम् हतवान्। (बाणात्/बाणेन)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – $1\times4=4$

(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) पठिष्यामि (ख) अहम् (ग) उपवनम् (घ) मातुलः (ङ) अत्र (च) सः

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – $2\times2=4$

(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) तुम दोनों वहाँ गये। (ख) बालक विद्यालय जाते हैं।

(ग) मैं कल प्रयाग जाऊँगा।

****